



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 47] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 23, 1968 (अग्रहायण 2, 1890)
No. 47] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 23, 1968 (AGRAHAYANA 2, 1890)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

नोटिस (NOTICE)

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 24 अक्टूबर 1968 तक प्रकाशित किए गये हैं :—

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 24th October 1968 :—

अंक Issue No.	संख्या और तारीख No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
1	2	3	4
202	No. 233-ITC(PN)/68, dated the 24th October, 1968.	Ministry of Commerce	Procedure for making rupee deposits to Govt. Accounts by means of demand drafts in respect of imports financed under the "Direct Payment Procedure" as applicable to various foreign credits/loans.
	No. 234-ITC(PN)/68, dated the 24th October, 1968.	Do.	Import of tractors by agriculturists as gift.

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी।
मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तारीख से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए।

Copies of the *Gazettes Extraordinary* mentioned above will be supplied on Indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these *Gazettes*.

विषय-सूची (CONTENTS)

भाग I—खंड 1.—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं ..	पृष्ठ 763	भाग I—खंड 2.—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं ..	पृष्ठ 1307
--	--------------	--	---------------

भाग I—खंड 3.—रक्षा मन्त्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं ..	पृष्ठ	भाग II—खंड 4.—रक्षा मन्त्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश ..	पृष्ठ
भाग I—खंड 4.—रक्षा मन्त्रालय द्वारा जारी की गई अपसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1087	भाग III—खंड 1.—महालेखापरीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	1035
भाग II—खंड 1.—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम ..	—	भाग III—खंड 2.—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें ..	443
भाग II—खंड 2.—विधेयक और विधेयकों सम्बन्धी प्रवर समितियों की रिपोर्टें ..	—	भाग III—खंड 3.—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं ..	121
भाग II—खंड 3—उप-खंड (1)—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) ..	2827	भाग III—खंड 4.—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं ..	673
भाग II—खंड 3.—उप-खंड (2)—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं ..	5331	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें ..	213

पूरक संख्या 47—

16 नवम्बर 1968 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बन्धी साप्ताहिक रिपोर्ट ..	1953
26 अक्तूबर 1968 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म, तथा बड़ी बिमारियों से हुई मृत्यु से सम्बन्धित आंकड़े ..	1965

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ..	Page	PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	Page
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ..	763	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	5331
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence ..	1307	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	487
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Officers issued by the Ministry of Defence ..	1087	PART III—SECTION 2.—Notifications issued by the Patent Offices, Calcutta ..	1035
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations ..	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	443
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills ..	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	121
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules, (including orders, bye-laws, etc., of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	2827	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	673
		SUPPLEMENT NO. 47—	213
		Weekly Epidemiological Reports for week-ending 16th November 1968 ..	1953
		Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week-ending 26th October 1968 ..	1965

भाग I—खंड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1968

सं० 74-प्रेज/68—राष्ट्रपति मैसूर पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक का "बार" प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री सिद्धारामप्पा गदिनप्पा कल्लूर,
पुलिस उप-अधीक्षक,
मैसूर ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया ।

15 जून, 1965 की रात को लगभग 9.30 बजे कुख्यात बदमाश लालशा भीमप्पा जाधव चार साथियों सहित महाराष्ट्र में होतगी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर एक मांसाहारी स्टाल पर आया और सबके लिये भोजन मांगा । देरी के कारण स्टाल वाले ने भोजन का प्रबन्ध करने में असमर्थता दिखाई, तो लालशा भीमप्पा जाधव क्रुद्ध हो उठा और अपनी देशी पिस्तौल से उसको डराया । इस पर एकत्रित भीड़ तितर-बितर हो गई । मैसूर राज्य के पुलिस अधिकारी श्री एस० जी० कल्लूर, जो पास ही थे, अपनी रिवास्वर निकालकर लालशा भीमप्पा जाधव पर झपट पड़े और थोड़े संघर्ष के बाद लालशा भीमप्पा जाधव को काबू में कर लिया तथा उसे स्थानीय पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया ।

इस घटना में श्री सिद्धारामप्पा गदिनप्पा कल्लूर ने एक सशस्त्र बदमाश को पकड़ने में वीरता से कार्य किया जबकि घटनास्थल उनके अधिकार-क्षेत्र से बाहर था । उन्होंने बड़ी सूझ-बूझ तथा साहस का परिचय दिया ।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है ।

सं० 75-प्रेज/68—राष्ट्रपति भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये राष्ट्रपति

का पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री ज्ञान सिंह,
सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी-II,
II बटालियन, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया ।

4 जून, 1967 को पिथौरागढ़ जिले में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की एक बटालियन एक विशेष अभ्यास कर रही थी । एक हिम नदी को जिसमें बाढ़ आई हुई थी और जिसका बेग अत्यन्त तीव्र था पार करना आवश्यक था । बटालियन-कमांडर एम० एस० कोहली ने इसे उस स्थान से पार करना शुरू किया जहां यह लगभग 40 फीट चौड़ी थी । दूसरे ही क्षण वे अचानक गहरे पानी में जा पहुंचे और प्रायः डूब ही गये थे । जब वे ऊपर सतह पर आये, तो वे तेज घारा की लपेट में आ गये जो उन्हें बहा ले गई । कमांडर कोहली की दुर्दशा देखकर श्री ज्ञान सिंह, जो स्वयं तैरना नहीं जानते थे, अपने जीवन को संकट में डालकर नदी में कूद पड़े । जब कमांडर कोहली दूसरी बार सतह पर आये, तो नदी में पड़े पत्थरों से हुए घावों तथा बर्फीले पानी द्वारा शरीर के चैतन्य-शून्य होने के कारण वे अर्ध-अचैतनावस्था में थे । श्री ज्ञान सिंह उनके पास पहुंचे और उस पवन-अभेद्य जैकेट को, जो कमांडर कोहली की गरदन के चारों ओर बंधी थी, पकड़कर उन्हें हिलाते किनारे तक ले आये । यह घटना, 13,000 फीट की ऊंचाई पर उस समय घटी जबकि पुलिस दल उच्च स्थलों में छः सप्ताह के कठोर अभ्यास के बाद शारीरिक और मानसिक दृष्टि से पूर्णतया थका हुआ लौट रहा था ।

श्री ज्ञान सिंह ने अपने कमांडर की जान बचाने में सराहनीय वीरता एवं कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया ।

2. यह पदक राष्ट्रपति के पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 4 जून 1967 से दिया जायेगा ।

नागेन्द्र सिंह,
राष्ट्रपति के सचिव

गृह मंत्रालय

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1968

सं० 8/32/68-सी० एस० II—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जून, 1969 में निम्नलिखित सेवाओं/पदों में अस्थायी रिक्तियों में नियुक्ति के लिये ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम सर्व सामान्य की सूचना के लिये प्रकाशित किये जाते हैं:—

- (i) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा-ग्रेड II;
- (ii) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा-ग्रेड II;
- (iii) भारतीय विदेश सेवा (ख) — (आशुलिपिकों के सब-कैडर का ग्रेड II) ;
- (iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा-ग्रेड II; और
- (v) भारत सरकार के कुछ ऐसे विभागों और कार्यालयों के आशुलिपिकों के पद जो केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा (ख)/रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में शामिल नहीं हैं, तथा चुनाव आयोग के कार्यालय में ऐसे पद।

उम्मीदवार ऊपर लिखित सेवाओं/पदों में से किसी भी एक या एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिए प्रतियोगिता कर सकता है। यदि वह चाहे, तो केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के लिए आरक्षित सूची में उसका नाम शामिल किये जाने के संबंध में भी विचार किया जा सकता है। वह जितनी भी सेवाओं/पदों के लिये प्रतियोगिता करना चाहे उन सबका अपने आवेदन पत्र में उल्लेख कर सकता है, तथा यह भी लिख सकता है कि आरक्षित सूची में अपना नाम शामिल कराना चाहता है; या नहीं। उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है किसी भी सेवा/पद में नियुक्ति के लिये या आरक्षित सूची में सम्मिलित होने के लिये उन पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि वे इस बात का स्पष्ट उल्लेख नहीं करेंगे।

विशेष टिप्पणी—उम्मीदवारों को चाहिए, कि वे जिन सेवाओं/पदों के लिये प्रतियोगिता करना चाहते हैं उनका प्राथमिकता-क्रम स्पष्टतः लिख दें। उम्मीदवार द्वारा प्रारम्भ में अपन आवेदनपत्र में निर्दिष्ट सेवाओं/पदों के प्राथमिकता-क्रम में परिवर्तन करने की किसी भी ऐसी प्रार्थना पर, जो संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 31 अगस्त, 1969 को या उससे पहले न मिल जाए, विचार नहीं किया जाएगा।

2. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इस परीक्षा का संचालन इन नियमों के परिशिष्ट I में निहित विधि से किया जाएगा।

परीक्षा की तारीखें और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किये जायेंगे।

3. (1) यह आवश्यक है कि उम्मीदवार या तो

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) सिक्किम की प्रजा, या
- (ग) नेपाल की प्रजा, या
- (घ) भूटान की प्रजा, या
- (ङ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी हो जो भारत में स्थाई रूप से बसने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पूर्व भारत आ गया हो, या
- (च) भारतीय मूल का ऐसा व्यक्ति हो जो भारत में स्थाई रूप से बसने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, मका और कम्प्या, उगाण्डा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) के इन पूर्वी अफ्रीकी देशों से प्रव्रजित हुआ हो।

परन्तु ऊपर की (ग), (घ), (ङ) और (च) श्रेणियों से सम्बन्धित उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा उनके नाम दिया गया पात्रता-प्रमाणपत्र होना चाहिये और यदि वह (च) श्रेणी से सम्बन्धित हुआ तो उसे एक साल के लिये पात्रता प्रमाण पत्र दिया जाएगा और उसके बाद उम्मीदवार की नौकरी तभी जारी रखी जाएगी जब वह भारत की नागरिकता प्राप्त कर ले।

परन्तु, निम्नलिखित में से किसी श्रेणी से सम्बन्धित उम्मीदवारों के मामले में पात्रता-प्रमाणपत्र आवश्यक नहीं होगा :

- (i) वे व्यक्ति जो 19 जुलाई, 1948 से पहले पाकिस्तान से भारत में प्रव्रजित हुए और तब से आमतौर पर भारत में ही रह रहे हैं।
- (ii) वे व्यक्ति जो 19 जुलाई, 1948 को या उसके बाद पाकिस्तान से भारत में प्रव्रजित हुए और संविधान के अनुच्छेद 6 के अधीन अपने आप को भारत के नागरिक के रूप में पंजीकृत करा चुके हैं।
- (ii) ऊपर की (च) श्रेणी के वे गैर-नागरिक, जो संविधान लागू होने की तारीख अर्थात् 26 जनवरी, 1950 से पहले भारत सरकार की सेवा में आए और तब से लगातार उस सेवा में काम कर रहे हैं। परन्तु किसी ऐसे व्यक्ति के लिये जो सेवा भंग करके 26 जनवरी, 1950 के बाद उस सेवा में फिर आया हो या फिर आए, औरों की तरह पात्रता प्रमाणपत्र लेना आवश्यक होगा।

इसके अलावा एक शर्त यह भी है कि उपर्युक्त (ग), (घ) और (ङ) श्रेणियों के उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा (ख) — (आशुलिपिकों के सब-कैडर के ग्रेड II) में नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होंगे।

(2) किसी उम्मीदवार को, जिसके मामले में पात्रता-प्रमाण पत्र आवश्यक है, यदि सरकार आवश्यक प्रमाण-पत्र दे दे

तो, परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है और अनन्तिम रूप में उसकी नियुक्ति भी की जा सकती है।

4. जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का न हो, या संघ राज्य क्षेत्र पांडिचेरी का या संघ राज्य क्षेत्र गोवा, दमन और दियू का निवासी न हो, या केन्या, उगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन करके न आया हो वह परीक्षा में दो बार से अधिक प्रतियोगिता नहीं कर सकेगा, किन्तु यह प्रतिबन्ध सन् 1962 में हुई परीक्षा से लागू होगा।

टिप्पणी 1:—यदि कोई उम्मीदवार एक या अधिक सेवाओं/पदों के लिये प्रतियोगिता करे तो इस नियम के प्रयोजन के लिये उस उम्मीदवार को परीक्षा के अन्तर्गत आने वाली सभी सेवाओं/पदों के लिये एक बार प्रतियोगिता-परीक्षा में बैठा माना जायेगा।

टिप्पणी 2:—किसी उम्मीदवार को प्रतियोगिता परीक्षा में बैठा हुआ तब माना जायगा, जब वह वास्तव में किसी एक या अधिक विषयों की परीक्षा में बैठा हो।

5. (क) इस परीक्षा में बैठने के लिये यह जरूरी है कि 1 जनवरी 1969 को उम्मीदवार की आयु पूरे 18 साल की हो गई हो और पूरे 24 साल की न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी 1945 से पहले और 1 जनवरी 1951 के बाद न हुआ हो।

(ख) उक्त ऊपरी आयु सीमा में उन व्यक्तियों के मामले में 35 वर्ष की आयु तक की छूट दे दी जायेगी जो भारत सरकार के विभिन्न विभागों/कार्यालयों में आशुलिपिकों (इसमें भाषा-आशुलिपिक भी शामिल हैं)। लिपिकों आशु-टाइप-कर्ताओं के पदों पर नियमित रूप में नियुक्त हैं और 1 जनवरी 1968 को जिन्होंने आशुलिपिक (भाषा आशुलिपिक समेत)/लिपिक/आशु-टाइप-कर्ता के रूप में कम-से-कम तीन वर्ष की निरन्तर सेवा की है, तथा उक्त सरकार के अधीन जो या तो आशुलिपिक भाषा-आशुलिपिक समेत के रूप में या लिपिक के रूप में या आशु-टाइप-कर्ता के रूप में नौकरी करते आ रहे हैं।

परन्तु उपर्युक्त आयु सम्बन्धी छूट उन व्यक्तियों को नहीं दी जायेगी जो संघ-लोक सेवा आयोग द्वारा पहले ली गई परीक्षाओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी में आशुलिपिक के रूप में नियुक्त किये जा चुके हैं:—

- (i) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा; या
- (ii) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा; या
- (iii) भारतीय विदेश सेवा (ख); या
- (iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा।

टिप्पणी:—डाक व तार विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों में नियुक्त रेल-डाक छंदाईकारों की सेवा उपर्युक्त नियम 5(ख) के प्रयोजन के लिये लिपिक के ग्रेड में की गई सेवा मानी जायेगी।

(ग) ऊपर के सभी मामलों में ऊपरी आयु-सीमा में निम्नलिखित रूप में अतिरिक्त छूट दी जायेगी:—

- (i) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से सम्बन्धित हो तो अधिक-से-अधिक 5 वर्ष तक;
- (ii) यदि उम्मीदवार पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी 1964 या उसके बाद प्रव्रजन करके भारत में आया हो तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष तक;
- (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से सम्बन्धित हो तथा पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी 1964 या उसके बाद प्रव्रजन कर भारत आया हो तो अधिक-से-अधिक 8 वर्ष तक;
- (iv) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र पांडिचेरी का निवासी हो और किसी स्तर पर उसकी शिक्षा फ्रेंच भाषा के माध्यम से हुई हो तो अधिक-से-अधिक 5 वर्ष तक;
- (v) यदि उम्मीदवार लंका से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-लंका समझौते के अधीन पहली नवम्बर 1964 को या उसके बाद लंका से भारत में प्रव्रजित हुआ हो, तो अधिकतम तीन वर्ष तक;
- (vi) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से सम्बन्धित हो तथा लंका से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-लंका समझौते के अधीन पहली नवम्बर 1964 को या उसके बाद लंका से भारत में प्रव्रजित हुआ हो तो अधिकतम आठ वर्ष तक;
- (vii) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र गोआ, दमन और दियू का निवासी हो तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष तक;
- (viii) यदि उम्मीदवार भारतीय मूल का हो और केन्या, उगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजित हो तो अधिकतम 3 वर्ष;
- (ix) यदि उम्मीदवार बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और पहली जून 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजित हुआ हो, तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष तक;
- (x) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से सम्बन्धित हो बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति

हो और पहली जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजित हुआ हो, तो अधिकतम आठ वर्ष तक;

(xi) किसी दूसरे देश से झगड़ों के दौरान अथवा किसी उपद्रवग्रस्त इलाके में फौजी कार्रवाइयों को करते समय अशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त रक्षा-सेवा-कर्मियों के मामले में अधिकतम तीन वर्ष तक;

(xii) किसी दूसरे देश से झगड़ों के दौरान अथवा किसी उपद्रवग्रस्त इलाके में फौजी कार्रवाइयाँ करते समय अशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त ऐसे रक्षा-सेवा-कर्मियों के मामले में, जो अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित आदिम जातियों से सम्बन्धित हो, अधिकतम 8 वर्ष तक।

ऊपर बताई गई स्थितियों के प्रभाव ऊपर बिहित आयु सीमाओं में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकेगी।

ध्यान दें :—(i) यदि किसी उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम 5(ख) में उल्लिखित आयु सम्बन्धी रियायतों के अन्तर्गत परीक्षा में बैठने दिया गया हो और यदि वह आवेदन पत्र देने के बाद परीक्षा में बैठने से पहले या बाद में, नौकरी से त्याग पत्र दे दे या उसके विभाग द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाएं तो उसकी उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है लेकिन यदि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद सेवा या पद से उसकी छंटनी हो जाय तो वह पात्र बना रहेगा।

(ii) किसी आशुलिपिक (भाषा-आशुलिपिक समेत) / लिपिक/आशुटाइपकर्ता को जो अनुमोदन से किसी निःसर्वग पद (एक्स-कैंडिडेट पोस्ट) पर प्रतिनियुक्त हो, अन्य सब प्रकार से पात्र होने पर परीक्षा में बैठने दे दिया जायगा।

6. यह आवश्यक है कि उम्मीदवारों ने नीचे लिखी परीक्षाओं में से कोई एक पास की हो और उसके पास निम्नलिखित में से कोई एक प्रमाण पत्र हो :—

(i) भारत के केन्द्रीय या राज्य विधान मण्डल के किसी अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की मैट्रिक परीक्षा अथवा ऐसे विश्वविद्यालय द्वारा अपनी मैट्रिक परीक्षा के समकक्षरूप में मान्यता दी गई कोई परीक्षा;

(ii) किसी राज्य के शिक्षा बोर्ड द्वारा माध्यमिक स्कूल कोर्स के अन्त में शालान्त (स्कूल लीविंग) माध्यमिक स्कूल, हाई स्कूल या ऐसे किसी और प्रमाण पत्र के दिये जाने के लिये, जिसे वह राज्य सरकार नौकरी में प्रवेश के लिये मैट्रिक के प्रमाण-पत्र के समकक्ष मानती हो, ली गई परीक्षा;

(iii) कैम्ब्रिज स्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा (सीनियर कैम्ब्रिज);

(iv) राज्य सरकारों द्वारा ली गई यूरोपीय हाई स्कूल परीक्षा;

(v) दिल्ली पौलीटेक्नीक के तकनीकी हायर सैकेंडरी स्कूल की दसवीं कक्षा का प्रमाणपत्र;

(vi) किसी मान्यता-प्राप्त हायर सैकेंडरी स्कूल या इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा के लिये छात्रों को तैयार करने वाले किसी मान्यता-प्राप्त स्कूल की दसवीं कक्षा का प्रमाणपत्र;

(vii) जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली की जूनियर परीक्षा, केवल जामिया के वास्तविक आवासी छात्रों के लिये;

(viii) बंगाल (साइंस) स्कूल सर्टिफिकेट;

(ix) नेशनल काउंसिल आफ एजुकेशन (राष्ट्रीय शिक्षा परिषद्) जादवपुर, पश्चिमी बंगाल की (शुरू से लेकर) फाइनल स्कूल स्टेज परीक्षा;

(x) पांडीचेरी की नीचे लिखी फ्रेंच परीक्षाएं, (i) ब्रीवे एलिमेन्तेयर (ii) ब्रीवे द'एसीमा प्रीमीयेर द लांग इंदियन (iii) ब्रीवे देएत्यूद्यू प्रीमीयेर सिकल (iv) ब्रीवे द'एसीमा प्रीमीयेर सुपेरियेर दे लांग इंदियन और (v) ब्रीवे दे लांग इंदियन (वर्नाकूलर);

(xi) इंडियन आर्मी स्पेशल सर्टिफिकेट आफ एजुकेशन,

(xii) भारतीय नौसेना का हायर एजुकेशनल टैस्ट;

(xiii) एडवांस्ड क्लास (भारतीय नौसेना) परीक्षा,

(xiv) सीलोन सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा;

(xv) ईस्ट बंगाल सैकेंडरी एजुकेशन बोर्ड, ढाका द्वारा दिया गया प्रमाण पत्र;

(xvi) पूर्व पाकिस्तान में कोमिला / राजशाही / खुलना स्थित सैकेंडरी एजुकेशन बोर्ड द्वारा दिये गये सैकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट;

(xvii) नेपाल सरकार की स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट परीक्षा;

(xviii) एंग्लोवर्नाकूलर स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (बर्मा);

(xix) बर्मा हाई स्कूल फाइनल एग्जामिनेशन सर्टिफिकेट;

(xx) शिक्षा विभाग, बर्मा (युद्ध पूर्व) की एंग्लोवर्नाकूलर हाई स्कूल परीक्षा;

(xxi) बर्मा का पोस्ट-वार स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट;

(xxii) गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद की 'विनीत' परीक्षा;

(xxiii) गोवा, दमन और दियू की पुर्तगाली परीक्षा 'लाइसियूम' के पांचवें वर्ष में पास;

(xxiv) 'सामान्य' स्तर पर लंका की जमरस सर्टिफिकेट आफ एजुकेशन नामक परीक्षा, यदि वह अंग्रेजी तथा गणित और सिंहली या तमिल सहित छः विषयों में पास की गई हो;

(xxv) 'सामान्य' स्तर पर लन्दन के एसोशियेटेड एग्जामिनेशन बोर्ड्स की जनरल सर्टिफिकेट आफ एजुकेशन परीक्षा, यदि वह अंग्रेजी सहित पांच विषयों में पास की गई हो।

(xxvi) किसी राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड द्वारा ली गई जूनियर/सैकेन्डरी तकनीकी स्कूल परीक्षा।

टिप्पणी 1:—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा, जिस में उसीर्र होने पर वह इस परीक्षा में बैठ सकता है, दे चुका हो, लेकिन उसके परिणाम की सूचना उसे नहीं मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिये आवेदन-पत्र भेज सकता है। जो उम्मीदवार उक्त किसी अर्हक (क्वालिफाइंग) परीक्षा में बैठना चाहते हों, वे भी आवेदन-पत्र दे सकते हैं बशर्त कि वह अर्हक परीक्षा इस परीक्षा के शुरू होने से पहले हो जाय। ऐसे उम्मीदवारों को यदि वे अन्य शर्तें पूरी करते हों, परीक्षा में बैठने दिया जायगा, किन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अनन्तित होगी और यदि वे उक्त परीक्षा पास करने का प्रमाण-पत्र जल्दी-से-जल्दी और हर हालत में इस परीक्षा के शुरू होने की तारीख से अधिक से अधिक दो महीने के अन्दर-अन्दर प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द कर दी जा सकेगी।

टिप्पणी 2:—किन्हीं आपवादिक मामलों में, किसी ऐसे उम्मीदवार को जिसके पास पूर्ववर्त कोई उपाधि नहीं है संघ लोक सेवा आयोग अर्हता-प्राप्त उम्मीदवार मान सकता है, बशर्त कि उसने किन्हीं और संस्थाओं की ऐसी परीक्षाएं पास की हों जिनका स्तर, आयोग की राय में, परीक्षा में प्रवेश के लिये न्यायोचित है।

7. (क) जिस पुरुष उम्मीदवार की एक से अधिक जीवित पत्नियां हों या एक पत्नी के जीवित रहने पर भी किसी ऐसी स्थिति में विवाह करे कि वह विवाह उक्त पत्नी के जीवित रहने की अवधि में किये जाने के कारण शून्य (वायड्) हो जाए तो उसे उन सेवाओं/पदों पर जिनके लिये इस प्रतियोगिता-परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्तियां की जाती हैं, नियुक्ति का तब तक पात्र नहीं माना जाएगा जब तक कि भारत सरकार संतुष्ट न हो जाए कि ऐसा करने के विशेष कारण हैं और पुरुष उम्मीदवार को इस नियम से छूट न दे दे।

(ख) जिस महिला उम्मीदवार का विवाह इस कारण शून्य (वायड्) हो कि उक्त विवाह के समय उसके पति की एक जीवित पत्नी पहले से है या जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो जिसकी उक्त विवाह के समय एक जीवित पत्नी हो, वह उन सेवाओं/पदों में से किसी पर जिनके लिये इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्तियां की जाती हैं, नियुक्ति की, तब तक पात्र नहीं मानी जायगी जब तक कि भारत सरकार संतुष्ट न हो जाए कि ऐसा करने के विशेष कारण हैं, और उस महिला उम्मीदवार को इस नियम से छूट न दे दे।

(ग) कोई भी व्यक्ति जिसने किसी विदेशी राष्ट्रिक से विवाह किया हो भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

(घ) कोई भी व्यक्ति, जिसके तीन से अधिक वच्चे हों, भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

8. जो उम्मीदवार स्थायी या अस्थायी हैसियत में पहले से ही सरकारी सेवा कर रहा हो, उसे इस परीक्षा में बैठने से पहले अपने विभाग-अध्यक्ष की अनुमति अवश्य ले लेनी चाहिये।

9. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिये और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिये जो सम्बन्धित सेवा/पद के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा विहित डाक्टरी परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जायगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा की जायेगी जिन पर नियुक्ति के सम्बन्ध में विचार किए जाने की सम्भावना हो।

टिप्पणी : अशक्त भूतपूर्व रक्षा सेवा कामिकों के सम्बन्ध में रक्षा-सेवा के डीमोबिलाइजेशन मैडिकल बोर्ड द्वारा दिया गया स्वस्थता प्रमाण-पत्र नियुक्ति के लिये पर्याप्त समझा जायगा।

10. परीक्षा में बैठने के लिये उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

11. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जायेगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश-पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ एडमिशन) न हो।

12. उम्मीदवारों को आयोग की विज्ञप्ति के अनुबन्ध-1 में विहित फीस देना होगी।

13. यदि कोई उम्मीदवार किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिये समर्थन प्राप्त करने की कोई कोशिश करेगा तो वह परीक्षा में बैठने के लिये अनर्ह घोषित किया जा सकेगा।

14. यदि कोई उम्मीदवार आयोग द्वारा इस बात के लिये घोषी घोषित किया जाए या कर दिया गया हो कि उसने किसी दूसरे व्यक्ति से अपनी परीक्षा दिलवाई है या जाली प्रमाण-पत्र आदि पेश किए हैं या ऐसे प्रमाण-पत्र पेश किए हैं जिनमें कोई हेराफेरी की गई है या गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या कोई महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया है या परीक्षा में प्रवेश प्राप्त करने के लिये किसी और अनियमित या अनुपयुक्त तरीके से काम लिया है या परीक्षा भवन में अनुचित तरीकों से काम लिया या काम लेने की कोशिश की है या परीक्षा भवन में कोई अनुचित आचरण किया है या परीक्षा भवन में उसके पास अनधिकृत कागज, पुस्तकें या टिप्पणियां इत्यादि पाई जाए या ये उसे सुलभ हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोजीक्यूशन) चलाया जा सकता है और साथ ही :

(क) उसे हमेशा के लिये या किसी विशेष अवधि के लिये

(i) आयोग उम्मीदवारों के चुनाव के लिये उसके द्वारा ली जाने वाली किसी परीक्षा या इन्टरव्यू में शामिल होने से रोक सकता है, और

(ii) केन्द्रीय सरकार, अपने अधीन नियुक्त होने से रोक सकती है,

(ख) यदि वह पहले से ही सरकारी सेवा में नियुक्त हो तो उसके खिलाफ उपयुक्त नियमों के अन्तर्गत अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

15. भारत सरकार जैसा निश्चय करे, उस तरह से निर्धारित अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिये पद आरक्षित रखे जायेंगे।

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों का अर्थ है अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति (संशोधन) अधिनियम, 1956, संविधान (जम्मू व कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अन्डेमान तथा निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश 1959, संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964 और संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967 के साथ पढ़े गए अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों की सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956 में उल्लिखित कोई भी जाति या आदिम जाति।

16. परीक्षा के पश्चात् आयोग, प्रत्येक उम्मीदवार को अन्तिम रूप से दिए गए कुल अंकों से प्रकाशित गुणों के आधार पर उम्मीदवारों की क्रमबद्ध सूची बनायेगा, और परीक्षा परिणामों पर भरे जाने के लिए निश्चित अन्तारक्षित पदों पर भरती के लिये उसी क्रम से आयोग उन उम्मीदवारों की सिफारिश करेगा जिनको कि वह उत्तीर्ण समझता है।

परन्तु परीक्षा का परिणाम घोषित होने से पूर्व सरकार जो भी संख्या निर्धारित करे उसके अनुसार आगामी आशुलिपिक परीक्षा का परिणाम निकलने से पूर्व केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-II में नियुक्ति के लिये प्रयोगार्थ, गुणानुक्रम से नामों की एक आरक्षित सूची भी तैयार की जा सकती है।

साथ ही यह भी शर्त है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति का कोई उम्मीदवार, जो किसी सेवा/पद के लिये आयोग द्वारा निर्धारित मान के अनुसार योग्य सिद्ध न होने पर भी आयोग द्वारा उस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिये उपयुक्त घोषित कर दिया जाए और इससे प्रशासनिक कुशलता में किसी प्रकार का व्याघात होने का भय न हो, तो वह उस सेवा/पद में, यथा-स्थिति, अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिये आरक्षित खाली पदों पर नियुक्ति का हकदार होगा।

ध्यान दें :—केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा की आरक्षित सूची परीक्षा का परिणाम घोषित होने से पूर्व यथा अनुमानित भावी सम्भावित रिक्तियों के आधार पर तैयार की जायेगी। अगली परीक्षा का परिणाम घोषित किये जाने तक इस आरक्षित सूची में से यदि कोई उम्मीदवार अनियुक्त हो बना रहा हो तो वह इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति का कोई दावा न कर सकेगा।

17. आवेदन-पत्र भरते समय उम्मीदवार द्वारा भताई गई प्राथमिकताओं का (आयोग के नोटिस का अनुच्छेद 4 तथा आवेदन-पत्र के खाना 26 देखिए) समुचित ध्यान रखा जायेगा। लेकिन किसी भी उम्मीदवार को ऐसी किसी भी सेवा/पद पर नियुक्त किया जा सकता है जिसके लिये परीक्षा ली गई है।

18. हर एक उम्मीदवार को परीक्षा फल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग अपने विवेकानुसार करेगा और आयोग परिणामों के बारे में उनसे कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

19. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता। इसके लिये आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से सन्तुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार इस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिये हर प्रकार से उपयुक्त है।

20. उन सेवाओं/पदों के बारे में, जिनके लिये इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है, संक्षिप्त व्यौरा परिशिष्ट-II में दिया गया है।

एम० के० वासुदेवन, अवर सचिव

परिशिष्ट-I

1. परीक्षा के विषय तथा प्रत्येक विषय के लिये दिया गया समय तथा पूर्णांक इस प्रकार होंगे :—

भाग क—लिखित परीक्षा

विषय	दिया गया समय	पूर्णांक
1. अंग्रेजी	3 घण्टे	100
2. सामान्य ज्ञान	॥ 3 घण्टे	100

भाग ख :—(लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने वालों के लिये)
अंग्रेजी में आशुलिपि परीक्षा। 300 अंक

टिप्पणी :—(i) उम्मीदवारों को परीक्षा के लिये अंग्रेजी के दो डिक्शनरी दिए जायेंगे, पहला 120 शब्द प्रति मिनट की गति पर, जो सात मिनट का होगा, और दूसरा 100 शब्द प्रति मिनट की गति पर, जो दस मिनट का होगा। उम्मीदवारों को क्रमशः 45 और 50 मिनट में इन्हें टाइप कर लेना होगा।

टिप्पणी :—(ii) जो उम्मीदवार 120 शब्द प्रति मिनट वाले डिक्शनरी में न्यूनतम योग्यता प्राप्त कर लेंगे उन्हें 100 शब्द प्रति मिनट वाले डिक्शनरी में वही स्तर प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों से ऊपर रखा जायेगा। प्रत्येक वर्ग में उम्मीदवारों को, प्रत्येक उम्मीदवार को दिए गए कुल अंकों से यथा प्रकाशित गुणों के परस्पर अनुक्रम में रखा जायेगा।

टिप्पणी : (iii) उम्मीदवारों को अपने आशुलिपि नोट टाइप करने होंगे और इसके लिये उन्हें अपनी-अपनी टाइप-मशीन लानी होगी।

2. परीक्षा का पाठ्य-विवरण साथ लगी अनुसूची में दिए अनुसार होगा।

3. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में ही लिखे जाने चाहिए।

4. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिये अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

5. आयोग अपने विवेकानुसार परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक (क्वालीफाइंग) अंक निर्धारित करेगा।

6. केवल उन्हीं उम्मीदवारों को आशुलिपि परीक्षा के लिये बुलाया जायेगा जो आयोग के द्वारा अपने विवेकानुसार नियत किए गए न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेंगे।

7. केवल सतही ज्ञान के लिये कोई अंक नहीं दिए जायेंगे।

8. अस्पष्ट लिखावट के कारण, लिखित विषयों के अधिकतम अंकों में से, 5 प्रतिशत तक काट लिए जायेंगे।

9. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का विशेष लिहाज रखा जायेगा कि भाषाभिव्यक्ति आवश्यकतानुसार कम-से-कम शब्दों में, क्रमबद्ध तथा प्रभावपूर्ण ढंग से और ठीक-ठीक की गई है।

अनुसूची

परीक्षा का स्तर और पाठ्य-विवरण

टिप्पणी : भाग 'क' के प्रश्न-पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जो किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मैट्रिकुलेशन परीक्षा का होता है।

अंग्रेजी :—यह प्रश्न-पत्र इस रूप में तैयार किया जायेगा जिसमें उम्मीदवारों के अंग्रेजी—व्याकरण और निबन्ध-रचना के ज्ञान की तथा अंग्रेजी भाषा को समझने और शुद्ध अंग्रेजी लिखने की उनकी योग्यता की जांच हो जाए। अंक देते समय वाक्य-विन्यास, सामान्य अभिव्यक्ति और भाषा-कौशल को ध्यान में रखा जायेगा। इस प्रश्न-पत्र में निबन्ध-लेखन, सार-लेखन, मसौदा-लेखन, शब्दों का शुद्ध प्रयोग, आसान मुहावरों और पूर्वसर्ग (प्रीपोजीशन), कर्तृवाच्य और कर्मवाच्य आदि शामिल किए जा सकते हैं।

सामान्य ज्ञान :—निम्नलिखित विषयों की थोड़ी बहुत जानकारी : भारत का संविधान, पंचवर्षीय योजनाएं, भारतीय इतिहास और संस्कृति, भारत का सामान्य और आधिक भूगोल, सामयिक घटनाएं, सामान्य विज्ञान तथा दिन प्रतिदिन नजर आने वाली ऐसी बातें जिनकी जानकारी पढ़े लिखे व्यक्ति को होनी चाहिये। उम्मीदवारों के उत्तरों से यह प्रकट होना चाहिए कि उन्होंने प्रश्नों को अच्छी तरह समझा है। उनके उत्तरों में किसी पाठ्य-पुस्तक के व्योरेवार ज्ञान की अपेक्षा नहीं की जाती।

परिशिष्ट-II

उन सेवाओं/पदों से सम्बन्धित संक्षिप्त विवरण जिनके लिये इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है।

क—केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक (स्टेनोग्राफर) सेवा

इस समय केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के निम्न-लिखित दो ग्रेड हैं :—

ग्रेड-I:—350-25-650 रु० (ग्रेड-II से पदोन्नत व्यक्तियों को इस वेतन क्रम में कम-से-कम 400 रु० वेतन दिया जाता है।)

ग्रेड-II:—210-10-270-15-300 रु० 15-450-रु० 20-530 रु०।

(2) सेवा के ग्रेड-II में नियुक्त व्यक्ति दो वर्ष तक परि-वीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़ सकते हैं और परीक्षाएं देनी पड़ सकती हैं।

(3) परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार सम्बन्धित व्यक्ति की उसके पद पर पुष्टि कर सकती है या यदि उसका कार्य अथवा आचरण सरकार की राय में असन्तोषजनक रहा तो, उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परिवीक्षा अवधि और जितनी बढ़ाना उचित समझे बढ़ा सकती है।

(4) सेवा के ग्रेड-II में भर्ती किये गये व्यक्तियों को केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा योजना में भाग लेने वाले मन्त्रालयों या कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जायेगा। किन्तु उनकी किसी भी समय किसी भी ऐसे अन्य मन्त्रालय या कार्यालय में बदली हो सकती है।

(5) सेवा के ग्रेड-II में भर्ती किए गए व्यक्ति इस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नत किये जाने के पात्र होंगे।

(6) जिन लोगों की नियुक्ति सेवा के ग्रेड-II में उनकी अपनी इच्छा के अनुसार की जायेगी, वे उस नियुक्ति के पश्चात् भारतीय विदेश सेवा (ख) के काडर में/अथवा रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा योजना में शामिल किसी पद पर स्थानान्तरण या नियुक्ति का दावा न कर सकेंगे।

टिप्पणी : केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा का पुनर्गठन किया जा रहा है।

ख—रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा

(क) जहां तक भर्ती, प्रशिक्षण, पदोन्नति आदि का सम्बन्ध है, रेलवे मन्त्रालय में नियुक्त आशुलिपिकों की सेवा की शर्तें रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा योजना द्वारा विनियमित होती हैं जो कि केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा योजना के ही अनुरूप है।

(ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा योजना के निम्न दो ग्रेड हैं:—

- (i) आशुलिपिक ग्रेड-I—350-25-650 रु०
- (ii) आशुलिपिक ग्रेड-II—210-10-270-15-300 रु० 15-450 रु० 20-530 रु०।

सीधी भर्ती केवल ग्रेड-II में ही की जाती है। ग्रेड-I के पद ग्रेड-II के आशुलिपिकों की पदोन्नति करके भरे जाते हैं। ग्रेड-II के आशुलिपिकों को ग्रेड-I में पदोन्नत किये जाने पर कम-से-कम 400 रु० प्रति मास वेतन दिया जाता है।

ग्रेड-I के आशुलिपिकों पर समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार उनके लिये नियत कोटे में अनुभाग अधिकारियों के पदों पर पदोन्नत करने के लिय भी विचार किया जाता है।

(ग) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा रेलवे मंत्रालय तक सीमित है और उनके कर्मचारियों की केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा की तरह अन्य मन्त्रालयों में बदली नहीं हो सकती।

(घ) इन नियमों के अधीन रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा में भर्ती हुए अधिकारी:—

- (i) पेंशन सम्बन्धी लाभों के पात्र होंगे; और
- (ii) उनकी सेवा में आने की तारीख को नियुक्त रेलवे कर्मचारियों पर लागू होने वाली उस निधि के नियमों के अनुसार अनु-अंशदायी राज्य रेलवे भविष्य निधि के अभिदाता होंगे।

(ङ) रेलवे मंत्रालय में नियुक्त कर्मचारी अन्य रेलवे कर्मचारियों के लिये स्वीकार्य मानों के अनुसार ही पासों और सुविधा टिकट आदेशों के हकदार होते हैं।

(च) जहां तक छुट्टी तथा सेवा की अन्य शर्तों का सम्बन्ध है, रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा में शामिल कर्मचारियों के साथ रेलवे के अन्य कर्मचारियों के समान ही व्यवहार किया जाता है किन्तु चिकित्सा सुविधाओं के मामले में उन पर नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में नियुक्त केन्द्रीय सरकार के अन्य कर्मचारियों पर लागू होने वाले नियम ही लागू होंगे।

ग—भारतीय विदेश सेवा (ख)—आशुलिपिकों के उप-संवर्ग का ग्रेड-II

भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिक उप-संवर्ग के ग्रेड-II का वेतन क्रम 210-10-270-15-300 रु० 15-450 रु० 20-530 रु० है। भारतीय विदेश सेवा (ख) के उप-संवर्ग के ग्रेड-II में नियुक्त अधिकारियों पर, भारतीय विदेश सेवा शाखा 'ख' (आर० सी० एस० पी०) नियम 1964 तथा भारतीय विदेश सेवा (पी० एल० सी० ए०) नियम, 1961, जैसे कि वे भारतीय विदेश सेवा (ख) पर लागू होते हैं, तथा अन्य ऐसे नियम तथा आदेश जो भारत सरकार द्वारा उन पर लागू किए जाएं, लागू होंगे।

भारतीय विदेश सेवा शाखा 'ख' विदेश मन्त्रालय तथा विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों तक ही सीमित है। इस सेवा में नियुक्त

अधिकारियों की बदली आमतौर पर वाणिज्य मन्त्रालय के अतिरिक्त अन्य मन्त्रालयों में नहीं की जा सकती। हां, उनकी नियुक्ति विदेशों में अन्य मन्त्रालयों के उपस्थिति-रजिस्टर में आनीत पदों पर की जा सकती है और अन्तर्राष्ट्रीय आयोगों इत्यादि में भी उन्हें नियुक्त किया जा सकता है। वे भारत में या इस से बाहर अतिरिक्त केन्द्रों सहित कहीं भी सेवा पर नियुक्त किये जा सकते हैं।

विदेश में सेवा के दौरान भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों को अपने मूल वेतन के अलावा सम्बन्धित देशों के निर्वाह खर्च को देखते हुए समय-समय पर निर्धारित की जाने वाली दरों पर विदेश भत्ता भी दिया जाता है। इसके अलावा भारतीय विदेश सेवा (पी० एल० सी० ए०) नियम, 1961, जैसे कि वे भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों पर लागू होते हैं, के अनुसार उन्हें विदेश सेवा के दौरान निम्नलिखित रियायतें भी दी जाती हैं:—

- (i) सरकार द्वारा निर्धारित स्तर के अनुसार निःशुल्क साजसामान-युक्त आवास।
- (ii) सहायित चिकित्सा योजना के अधीन चिकित्सा सुविधाएं।
- (iii) कुछ शर्तों के अधीन 8 से 18 वर्ष तक की आयु के भारत में शिक्षा पाने वाले बच्चों के लिये वर्ष में एक बार सम्बन्धी छुट्टियों के दौरान माता-पिता से मिलने के लिये वापसी हवाई यात्रा का किराया।
- (iv) समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर 5 से 18 वर्ष तक की आयु के अधिक-से-अधिक दो बच्चों के लिये शिक्षा-भत्ता।
- (v) समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर और विहित नियमों के अनुसार विदेश सेवा के सम्बन्ध में सज्जा-भत्ता। जिन अधिकारियों की नियुक्ति ऐसे देशों में की जाती है जहां असामान्य रूप से ठंड पड़ती है, उन्हें सामान्य सज्जा-भत्ता के अलावा विशेष सज्जा-भत्ता भी दिया जाता है।
- (vi) विहित नियमों के अनुसार अधिकारियों तथा उनके परिवार के लिये छुट्टी में घर जाने आने का यात्रा-व्यय।

सेवा के सदस्यों पर, कुछ आशोधनों के साथ, समय-समय पर यथा-संशोधित "परिशोधित छुट्टी नियम, 1933" में लागू होंगे। कुछ पड़ोसी देशों को छोड़ कर अन्य देशों में नियुक्त अधिकारी विदेश सेवा के लिये, परिशोधित छुट्टी नियमों के अन्तर्गत स्वीकार्य छुट्टी के 50 प्रतिशत तक अतिरिक्त छुट्टी जमा के हकदार होंगे।

भारत में रहते हुए अधिकारी अपने समान तथा उसी स्तर के अन्य केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिये स्वीकार्य रियायतों के हकदार होंगे।

भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों पर समय-समय पर यथासंशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियम, 1960 तथा उनके अधीन जारी किये गये आदेश लागू होते हैं।

इस सेवा में नियुक्त अधिकारियों पर समय-समय पर यथासंशोधित उदासीकृत पेन्शन नियम, 1950 के तथा उसके अधीन जारी किये गये आदेश लागू होते हैं।

घ—चुनाव आयोग, भारत

चुनाव आयोग में आशुलिपिकों के पदों का वेतनमान केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के समान ही 210-10-270-15-300 द० रो० 15-450 द० रो० 20-530 रु० होगा। किन्तु ये पद केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा योजना में शामिल नहीं हैं। और इन पदों पर नियुक्त व्यक्ति केन्द्रीय सचिवालय सेवा के कांडर में सम्मिलित पदों पर नियुक्ति का कोई दावा न कर सकेंगे।

ङ.—पर्यटन विभाग

पर्यटन विभाग में वरिष्ठ आशुलिपिकों के पद 210-10-270-15-320 द० रो० 15-425 के परिशोधित वेतनमान में स्वीकृत हैं और सामान्य केन्द्रीय सेवा (श्रेणी II) (अराजपत्रित)—लिपिक-वर्गीय से सम्बन्धित हैं। कम-से-कम 5 वर्ष की सेवा वाले वरिष्ठ आशुलिपिक 320-15-470 द० रो० 15-530 रु० के वेतनमान में वैयक्तिक सहायकों के पद पर नियुक्ति के पात्र होते हैं। इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त उम्मीदवारों को आमतौर पर विभाग के मुख्यालय स्थापना में कार्य करना होगा किन्तु उन्हें भारत में कहीं भी काम करने के लिये कहा जा सकता है।

च—सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा

सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में इस समय निम्नलिखित दो ग्रेड हैं :—

आशुलिपिक ग्रेड-I—350-25-650 रु०

(श्रेणी II-राजपत्रित)

आशुलिपिक ग्रेड-II—210-10-270-15-300 द० रो० 15-450 द० रो० 20-530 रु० (श्रेणी-II—अराजपत्रित)।

ग्रेड I के पद ग्रेड-II के आशुलिपिकों में से पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं। सीधी भर्ती केवल ग्रेड-II में ही की जाती है।

2. अस्थायी आशुलिपिक ग्रेड II के रूप में सीधे भर्ती होने वाले व्यक्ति दो वर्ष की अवधि तक परिवीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि में सेवा का रिकार्ड असन्तोषजनक होने पर परिवीक्षाधीन व्यक्ति को सेवा से निकाला जा सकता है। परिवीक्षा की अवधि के दौरान सेवा के किसी सदस्य को सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़ सकते हैं और परीक्षाएं देनी पड़ सकती हैं।

3. सशस्त्र सेना मुख्यालय में भर्ती किये गये आशुलिपिक ग्रेड-II आमतौर पर दिल्ली/नई दिल्ली स्थित सशस्त्र सेना मुख्यालय और अन्तः सेवा संगठनों के किसी एक कार्यालय में

नियुक्त किये जायेंगे किन्तु उनकी बदली दिल्ली/नई दिल्ली से बाहर ऐसे नगरों में भी की जा सकेगी जहां सशस्त्र सेना मुख्यालय। अन्तः सेवा संगठनों के कार्यालय स्थित हों।

4. आशुलिपिक ग्रेड-II समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार आशुलिपिक ग्रेड-I के पदों पर पदोन्नति के पात्र होंगे।

5. छुट्टी, चिकित्सा सहायता तथा सेवा की अन्य शर्तें वही हैं जो सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तः सेवा संगठनों में नियुक्त अन्य लिपिक वर्गीय कर्मचारियों पर लागू होती हैं।

छ—संसदीय मामलों का विभाग

इस विभाग में आशुलिपिकों के पदों का वेतनमान 210-10-270-15-300 द० रो० 15-450 द० रो० 20-530 रु० है।

प्रतियोगिता परीक्षा के जरिये चुनाव द्वारा सेवा में नियुक्त उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षाधीन रखा जायेगा।

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास एवं सहकारिता मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली दिनांक 12 नवम्बर 1968

सं० 27(1)/67-सी० डी० एन०(1)—भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की नियमावली के नियम 75 तथा नियम 77 व 10 में की गई व्यवस्थाओं के अनुसार जो निम्नलिखित व्यक्ति 5 अगस्त 1968 से परिषद् में पशु-विज्ञान अनुसंधान की उस स्थाई समिति के सदस्य नहीं रहे थे जिस समिति का गठन इस मंत्रालय की अधिसूचना सं० 27(1)/66-सी० डी० एन०(1), दिनांक 8 अगस्त 1966 द्वारा किया गया था, उन्हें परिषद् की उसी नियमावली के नियम 77 व नियम 11 (बी०) की व्यवस्थाओं के अन्तर्गत खाद्य व कृषि मंत्री द्वारा उनकी सदस्यता के शेष काल के लिये अर्थात् 5 अगस्त 1968 से 30 जुलाई 1969 तक अथवा जब तक समिति में उनके उत्तराधिकारी न कर दिये जायें—इनमें से जो भी अवधि पहले हो—पशु-विज्ञान अनुसंधान की स्थाई समिति के सदस्य पुनः मनोनीत किया जाता है :—

- (1) डा० के० कानूनगो,
अध्यक्ष कृषि,
योजना आयोग,
नई दिल्ली।
- (2) डा० डी० सुन्दरेसन,
डीन स्नातकोत्तर शिक्षा,
पंजाब कृषि विषयविद्यालय,
हिसार।

पी० एस० हरिहरन, उप-सचिव

शिक्षा मंत्रालय

संकल्प में संशोधन

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1968

सं० एफ० 1-18/68-वाई० एस० 2—अखिल भारतीय खेल परिषद की स्थापना के विषय में समय-समय पर संशोधित शिक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सं० 11-16/58 पी० ई०-2, दिनांक 2-3-1959 में उल्लिखित संकल्प में निम्नलिखित संशोधित किया जाता है :—

“उक्त संकल्प की धारा 7 और 10 में, ‘सदस्य-सचिव’ के स्थान पर ‘दो सदस्य-सचिव’ लिख दीजिए।”

2. आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए और सभी सम्बन्धितों को सूचित कर दिया जाए।

प्रावेश

आदेश दिया जाता है कि इस संस्ताव की एक एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, राज्य सरकारों, पत्तन ट्रस्टों और नौवहन के महानिदेशक, बम्बई को भेज दी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संस्ताव को सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाये।

अ० वू० चन्दीरामाणी, संयुक्त शिक्षा सलाहकार

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 11th November 1968

No. 74-Pres./68.—The President is pleased to award the Bar to the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Mysore Police :—

Name of the officer and rank

Shri Siddaramappa Gadinappa Kallur,

Deputy Superintendent of Police,

Mysore.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 15th June, 1965, at about 9.30 p.m., Lalsha Bhimshya Jadhav, a notorious bad character, along with four associates came to the non-vegetarian stall at the Hotgi Railway Station platform in Maharashtra and demanded food to be served to them. When the still-keeper said he could not cater because of the late hour, Lalsha Bhimshya Jadhav got enraged and threatened him with his country pistol. The crowd that had collected melted away. Shri S. G. Kallur, a Mysore State Police Officer, who was nearby took out his revolver and threw himself on Lalsha Bhimshya Jadhav. After a struggle Lalsha Bhimshya Jadhav was overpowered and handed over to the local police.

In this incident Shri Siddaramappa Gadinappa Kallur, acted with gallantry in tackling an armed ruffian even though the place of occurrence was outside his jurisdiction. He showed great presence of mind and courage.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal.

No. 75-Pres./68.—The President is pleased to award the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Indo-Tibetan Border Police :—

Name of the officer and rank

Shri Gian Singh,

Assistant Central Intelligence Officer-II,

II Battalion, Indo-Tibetan Border Police.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

परिवहन तथा नौवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

संस्ताव

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1968

सं० 28-एम० टी० (5)/67—केन्द्रीय सरकार परिवहन तथा नौवहन मंत्रालय के संस्ताव सं० 28-एम० टी० (5)/67 दिनांक 28 जुलाई 1968 में निम्न संशोधन करती है :—

(1) क्रम सं० 11 के सामने वाली इंदराज ‘श्री ए० बी० चंदीरमानी, संयुक्त शिक्षा-सलाहकार (तकनीकी), शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली, के स्थान में श्री के० एन० सुन्दरम, भारत सरकार के उप शिक्षा-सलाहकार, शिक्षा मंत्रालय, बम्बई, इंदराज रखा जाएगा।

(2) क्रम सं० 18 के सामने ‘कप्तान डी० होटोन के नाम के स्थान में ‘कप्तान पी० एस० लूकाम’ का नाम रखा जाएगा।

आर० दोराय स्वामी, संयुक्त सचिव

On the 4th June, 1967, a battalion of the Indo-Tibetan Border Police was conducting a special exercise in Pithoragarh district. It was necessary to cross a glacial stream which was in spate and the current was extremely strong. Commander M. S. Kohli, Commandant of the battalion, started crossing at a point where the stream was about 40 feet wide. The next moment he unexpectedly went into deep water and was almost drowned. When he surfaced he was caught by the strong current and swept away. Seeing Commander Kohli's plight, Shri Gian Singh jumped into the stream at the risk of his own life since he did not know how to swim. When Commander Kohli came to the surface for the second time, he was half unconscious because of the injuries received from the boulders in the river on which he fell and also because the ice-cold water had numbed his body. Shri Gian Singh succeeded in reaching him and taking hold of the windproof jacket which was tied round Commander Kohli's neck, swung him towards the river bank and brought him ashore. This incident occurred at a height of 13,000 feet and at a time when the police party was physically and mentally exhausted as they were returning from six weeks of strenuous exercise in high altitudes.

Shri Gian Singh showed conspicuous gallantry and devotion to duty in saving the life of his Commander.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 4th June, 1967.

NAGENDRA SINGH, Secy. to the President

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
RULES

New Delhi, the 23rd November, 1968

No. 8/32/68-GS-II.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in June, 1969, for the purpose of filling temporary vacancies in the following Services/posts, are published for general information :

- (i) Central Secretariat Stenographers' Service—Grade II;
- (ii) Railway Board Secretariat Stenographers' Service—Grade II;

- (iii) Indian Foreign Service (B)—(Grade II of the Stenographers' Sub-Cadre);
- (iv) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade II; and
- (v) Posts of Stenographers in certain Departments and Offices of the Government of India not participating in the Central Secretariat Stenographers' Service/I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service and such posts in the Office of the Election Commission.

A candidate may compete in respect of any one or more of the Services/posts mentioned above. He may, if he so desires, also be considered for inclusion in the Reserve List for the Central Secretariat Stenographers' Service. He may specify in his application as many of these Services/posts as he may wish to compete for and also indicate whether he desires to be considered for inclusion in the Reserve List. Candidates are warned that they will not be considered for appointment to any Service/post or for inclusion in the Reserve List unless it is specified by them.

N.B.—Candidates are required to specify clearly the order of preferences for the Services/posts for which they wish to compete. No request for alteration in the order of preferences for the Services/posts originally indicated by a candidate in his application, would be considered unless such a request is received in the office of the Union Public Service Commission on or before 31st August, 1969.

2. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix 1 to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

3. (1) A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Sikkim, or
- (c) a subject of Nepal, or
- (d) a subject of Bhutan, or
- (e) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (f) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Ceylon and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India :

Provided that a candidate belonging to categories (c), (d), (e) and (f) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates belonging to any one of the following categories :—

- (i) Persons who migrated to India from Pakistan before the nineteenth day of July, 1948, and have ordinarily been residing in India since then;
- (ii) Persons who migrated to India from Pakistan on or after the nineteenth day of July, 1948, and have got themselves registered as citizens under Article 6 of the Constitution;
- (iii) Non-citizens in category (f) above who entered service under the Government of India before the commencement of the Constitution, viz., 26th January, 1950, and who have continued in such service since then. Any such person who re-entered or may re-enter such service with break after the 26th January 1950, will, however, require certificate of eligibility in the usual way.

Provided further that candidates belonging to categories (c), (d) and (e) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B)—(Grade II of the Stenographers' Sub-Cadre).

(2) A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

4. A candidate who does not belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or is not a resident of the Union Territory of Pondicherry or is not a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu, or is not a migrant from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), shall not be permitted to compete more than twice at the examination, but this restriction shall be effective from the examination held in 1962.

NOTE 1.—For the purpose of this rule, a candidate shall be deemed to have competed at the examination once for all the Services/posts covered by the examination, if he competes for any one or more of the Services/posts.

NOTE 2.—A candidate shall be deemed to have competed at the examination if he actually appears in any one or more subjects.

5(A) A candidate for admission to this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 24 years on 1st January, 1969, i.e., he must have been born not earlier than 2nd January, 1945 and not later than 1st January, 1951.

(B) The upper age limit will be relaxable upto the age of 35 years in respect of persons who have been regularly appointed as Stenographers (including language Stenographers)/Clerks/Stenotypists in the various Departments/Offices of the Government of India and have rendered not less than 3 years continuous service as Stenographer (including language Stenographer)/Clerk/Stenotypist on the 1st January, 1969 and continue to be employed either as Stenographer (including language Stenographer) or as Clerk or as Stenotypist under the said Government :

Provided that the above age relaxation will not be available to persons appointed as Stenographers, on the basis of earlier examination, held by the Union Public Service Commission, in :—

- (i) Central Secretariat Stenographers' Service; or
- (ii) Railway Board Secretariat Stenographers' Service; or
- (iii) Indian Foreign Service (B); or
- (iv) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service.

NOTE.—Service rendered by R.M.S. Sorters employed in Subordinate offices of P. & T. Deptt. shall be treated as service rendered in the grade of Clerk for purpose of Rule 5(B) above.

(C) The upper age limit in all the above cases, will be further relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from East Pakistan and has migrated to India on or after 1st January, 1964;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from East Pakistan and has migrated to India on or after 1st January, 1964;
- (iv) up to a maximum of five years if a candidate is a resident of the Union Territory of Pondicherry, and has received education through the medium of French at some stage;
- (v) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Ceylon and has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

- (vi) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Ceylon and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu;
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar).
- (ix) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof; and
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMITS PRESCRIBED ABOVE SHALL IN NO CASE BE RELAXED.

N.B.—(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(B) above, is liable to be cancelled, if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by his department, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting his application.

(ii) A Stenographer (including Language Stenographer)/Clerk/Stenotypist who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

6. Candidates must have passed one of the following examinations or must possess one of the following certificates:—

- (i) Matriculation examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India;
- (ii) an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School Course for the award of a School Leaving, Secondary School, High School or any other Certificate which is accepted by the Government of that State as equivalent to Matriculation certificate for entry into service;
- (iii) Cambridge School Certificate Examination (Senior Cambridge);
- (iv) European High School Examination held by the State Governments;
- (v) Tenth Class Certificate from the Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic;
- (vi) Tenth Class Certificate from a recognised Higher Secondary School or from a recognised school preparing students for the India School Certificate Examination;
- (vii) Junior Examination of the Jamia Millia Islamia, Delhi in the case of *bona fide* resident students of the Jamia only;
- (viii) Bengal (Science) School Certificate;
- (ix) Final School Standard Examination of the National Council of Education, Jadavpur, West Bengal (Since inception);

(x) the following French Examination of Pondicherry:

- (i) 'Brevet Elementaire' (ii) Brevet d'Enseignement Primaire de Langue Indienne' (iii) Brevet D'etudes du Premier Cycle' (iv) 'Brevet D'Enseignement Primaire Supérieur de Langue Indienne', and (v) 'Brevet de Langue Indienne (Vernacular).
- (xi) Indian Army Special Certificate of Education;
- (xii) Higher Educational Test of the Indian Navy.
- (xiii) Advanced Class (Indian Navy) Examination;
- (xiv) Ceylon Senior School Certificate Examination;
- (xv) Certificate granted by the East Bengal Secondary Education Board, Dacca;
- (xvi) Secondary School Certificates granted by the Board of Secondary Education at Comilla/Rajshahi/Khulna in East Pakistan;
- (xvii) School Leaving Certificate Examination of the Government of Nepal;
- (xviii) Anglo-Vernacular School Leaving Certificate (Burma);
- (xix) Burma High School Final Examination Certificate;
- (xx) Anglo-Vernacular High School Examination of the Education Department, Burma (Pre-war);
- (xxi) Post-War School Leaving Certificate of Burma;
- (xxii) the 'Vinit' examination of the Gujarat Vidyapith, Ahmedabad;
- (xxiii) Pass in the 5th Year of 'Lyceum' a Portuguese qualification in Goa, Daman and Diu;
- (xxiv) General Certificate of Education Examination of Ceylon at 'Ordinary' level provided it is passed in six subjects including English and Mathematics and either Sinhalese or Tamil;
- (xxv) General Certificate of Education Examination of the Associated Examination Boards, London at 'Ordinary' Level provided it is passed in five subjects including English; and
- (xxvi) The Junior/Secondary Technical School Examination conducted by any of the State Boards of Technical Education.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply provided the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than two months after the commencement of this examination.

NOTE 2.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate, who has not any of the foregoing qualifications, as a qualified candidate, provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

7. (a) No male candidate who has more than one wife living or who having a spouse living marries in any case in which such marriage is void by reason of its taking place during the life-time of such spouse, shall be eligible for appointment to any of the Services/posts, appointments to which are made on the results of his competitive examination unless the Government of India, after being satisfied that there are special grounds for doing so, exempt any male candidate from the operation of this rule.

(b) No female candidate whose marriage is void by reason of the husband having a wife living at the time of such marriage or who has married a person who has a wife living at the time of such marriage shall be eligible for appointment to any of the Services/posts, appointments to which are made on the result of this competitive examination, unless the

Government of India, after being satisfied that there are special grounds for doing so, exempt any female candidate from the operation of this rule.

(c) A person married to a foreign national shall not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B).

(d) A person with more than three children will not be eligible for appointment to I.F.S. (B).

8. A candidate already in Government service whether in a permanent or a temporary capacity must obtain prior permission of the Head of the Department to appear for the Examination.

9. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the Service/post. A candidate who after such medical examination, as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

NOTE.—In the case of the disabled *ex-Defence Services* personnel, a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of appointment.

10. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

12. Candidates must pay the fee prescribed in Annexure I to the Commission's Notice.

13. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

14. A candidate who is or has been declared by the Commission guilty of impersonation or of submitting fabricated documents or documents which have been tampered with or of making statements which are incorrect or false or of suppressing material information or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination, or of using or attempting to use unfair means in the examination hall, or of misbehaviour in the examination hall, or of being found to have in his possession or accessible to him unauthorised papers, books or notes etc. in the examination hall may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution,—

(a) be debarred permanently or for a specified period :—

(i) by the Commission, from admission to any examination or appearance at any interview held by the Commission for selection of candidates; and

(ii) by the Central Government from employment under them.

(b) be liable to disciplinary action under the appropriate rules, if he is already in service under Government.

15. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Scheduled Castes/Tribes Lists (Modification) Order, 1956, read with Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1956, the Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964 and the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh), Order 1967.

16. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that a reserve list containing names in the order of merit, the number of which would be determined by Government before the declaration of the results of the examination, may be drawn up for being utilized for making appointments to Grade II of the Central Secretariat Stenographers' Service before the declaration of the results of the next Stenographer's Examination.

Provided further that any candidate belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes who though not qualified by the standard prescribed by the Commission for any Service/post, is declared by them to be suitable for appointment thereto with due regard to the maintenance of efficiency of administration, shall be recommended for appointment to vacancies reserved for members of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes as the case may be.

N.B.—The reserve list for the Central Secretariat Stenographers' Service will be drawn up on the basis of likely future vacancies anticipated before the declaration of the result. Candidates in the reserve list, if any, who may remain unabsorbed by the time the results of the next examination are declared will have no claim to appointment on the basis of the result of this examination.

17. Due consideration will be given to the preferences expressed by a candidate at the time of his application (c.f. para 4 of the Commission's Notice and Col. 26 of the application form), but a candidate may be assigned to any Service/post for which the examination is held.

18. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion, and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

19. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Service/post.

20. Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination, are given in Appendix II.

M. K. VASUDEVAN,
Under Secretary.

APPENDIX I

1. The subject of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

PART A—WRITTEN TEST

Subject	Time allowed	Maximum Marks
(i) English	3 hours	100
(ii) General Knowledge	3 hours	100

PART B—SHORTHAND TEST IN ENGLISH (FOR THOSE WHO QUALIFY AT THE WRITTEN TEST). 300 Marks

NOTE (i).—Candidates will be given two dictation tests in English, one at 120 words per minute for seven minutes, and another at 100 words per minute for ten minutes, which they will be required to transcribe in 45 and 50 minutes respectively.

NOTE (ii).—Candidates who satisfy the minimum qualifying standard in the dictation at 120 words per minute will rank above the candidates who obtain the same standard in the dictation at 100 words per minute, persons in each group being arranged *inter se* in order of their merit as disclosed by the aggregate marks awarded to each candidate.

NOTE (iii).—Candidates will be required to transcribe their shorthand notes on typewriters, and for this purpose they will be required to bring their own typewriters with them.

2. The syllabus for the examination will be as shown in the schedule to this Appendix.

3. All question papers must be answered in English.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed to help of a scribe to write down answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

6. Only those candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written test as may be fixed by the Commission in their discretion will be called for shorthand tests.

7. Marks will not be allowed for mere superficial knowledge.

8. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

9. Credit will be given for orderly, effective and exact expression, combined with due economy of words in all subjects of the examination.

SCHEDULE

Standard and syllabus of the examination

NOTE.—The standard of the question papers in Part A will be approximately that of the Matriculation examination of an Indian University.

English.—The paper will be designed to test the candidates' knowledge of English Grammar and Composition, and generally their power to understand and ability to write correct English. Account will be taken of arrangement, general expression and workmanlike use of the language. The paper may include questions on essay writing; precis writing; drafting; correct use of words; easy idioms and prepositions; direct and indirect speech, etc.

General Knowledge.—Some knowledge of the Constitution of India, Five Year Plans, Indian History and Culture, general and economic geography of India, current events, everyday science and such matters of every day observation as may be expected of an educated person. Candidates' answers are expected to show their intelligent understanding of the questions and not detailed knowledge of any text book.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination.

A. The Central Secretariat Stenographers' Service

The Central Secretariat Stenographers' Service has at present two grades as follows :—

Grade I :—Rs. 350-25-650 (Persons promoted from Grade II are allowed a minimum salary of Rs. 400 in this scale).

Grade II :—Rs. 210-10-270-15-300-F.B.-15-450-E.B.-20-530.

(2) Persons recruited to Grade II of the Service will be on probation for a period of two years. During this period, they may be required to undergo such training and to pass such examinations as may be prescribed by Government.

(3) On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the person concerned in his appointment or, if his work or conduct, in the opinion of Government, has been unsatisfactory, he may either be discharged from the Service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Persons recruited to Grade II of the Service will be posted to one of the Ministries or Offices participating in the Central Secretariat Stenographers' Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other such Ministry or office.

(5) Persons recruited to Grade II of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to Grade II of the Service in pursuance of their option for that service will not, after such appointment have any claim for transfer or appointment to any post included in the Cadre of the Indian Foreign Service (B) or the Railway Board Secretariat Service Scheme.

NOTE.—The Central Secretariat Stenographers' Service is being reorganised.

B. Railway Board Secretariat Stenographers' Service

(a) The service conditions of Stenographers employed in the Ministry of Railways so far as recruitment, training, promotion, etc. are concerned, are regulated by the Railway Board's Secretariat Stenographers' Service Scheme, which is no the lines of the Central Secretariat Stenographers' Service Scheme.

(b) The Railway Board Secretariat Stenographers' Service consists of the following two grades.

(i) Stenographers' Grade I—Rs. 350-25-650.

(ii) Stenographers' Grade II—Rs. 210-10-270-15-300-EB-15-450-EB-20-530.

Direct recruitment is made in Grade II only. The posts in Grade I are filled by promotion from amongst Grade II Stenographers. Grade II Stenographers on promotion to Grade I are allowed a minimum pay of Rs. 400 per month.

Grade I Stenographers are also considered for promotion as Section Officers in accordance with the rules in force from time to time against the quota reserved for them.

(c) The Railway Board's Secretariat Stenographers' Service is confined to the Ministry of Railways and the staff are not liable to transfer to other Ministries as in the Central Secretariat Stenographers' Service.

(d) Officers of the Railway Board's Stenographers' Service recruited under these rules :

(i) will be eligible for pensionary benefits; and

(ii) shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway servants appointed on the date they join service.

(e) The staff employed in the Ministry of Railways are entitled to the privilege of passes and privilege ticket orders on the same scale as are admissible to other Railways Staff.

(f) As regards leave and other conditions of service, staff included in the Railway Board's Secretariat Stenographers' Service are treated in the same way as other Railway staff but in the matter of medical facilities they will be governed by rules applicable to other Central Government employees with headquarters at New Delhi.

C. Indian Foreign Service (B)—Grade II of the Stenographers Sub-cadre

The scale of Grade II of the SSC of the Indian Foreign Service (B) is Rs. 210-10-270-15-300-EB-15-450-EB-20-530. The officers appointed to Grade II of the SSC of the I.F.S. (Branch 'B') will be governed by the I.F.S. Branch 'B' (RSCP) Rules, 1964, I.F.S. (PLCA) Rules, 1961 as made applicable to I.F.S. 'B' officers and such other rules and orders as may be made applicable to them by the Government of India.

The Indian Foreign Service Branch (B) is confined to the Ministry of External Affairs and Indian Missions abroad. The officers appointed to this service are normally not liable to transfer to other Ministries except the Ministry of Commerce. They are, however, liable to be posted abroad against the posts borne on the strength of other Ministries and also liable to be posted to International Commissions etc. They are liable to serve anywhere in India or outside India, including non-family stations.

During service abroad IFS(B) officers are granted foreign allowance in addition to their basic pay at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc. of the countries concerned. In addition, the following concessions are also admissible during service abroad, in accordance with the IFS (PLCA) Rules, 1961, as made applicable to IFS(B) Officers :—

- (i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government.
- (ii) Medical Attendance Facilities under the assisted Medical Attendance Scheme.
- (iii) Annual return air passage for children between the ages of 8 and 18, studying in India to visit their parents during the long vacation subject to certain conditions.
- (iv) An allowance for the education of children up to a maximum of two children between the ages of 5 and 18 at rates prescribed by Government from time to time.
- (v) Outfit allowance in connection with service abroad, in accordance with the prescribed rules and at rates fixed by Government from time to time. In addition to ordinary outfit allowance, special outfit allowance is admissible to officers posted in countries, where abnormally cold climatic conditions exist.
- (vi) Home leave passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules.

The revised leave Rules, 1933 as amended from time to time, will apply to members of the service, subject to certain modifications. For service abroad, except in some neighbouring countries, officers are entitled to an additional credit of leave to the extent of 50 per cent of leave admissible under the Revised Leave Rules.

While in India, Officers are entitled to such concessions as are admissible to other Central Government Servants of equal and similar status.

Officers of the IFS (B) are governed by the General Provident Fund (Central Services) Rules 1960, as amended from time to time and by orders issued thereunder.

Officers appointed to this service are governed by the Liberalised Pension Rules, 1950, as amended from time to time and by orders issued thereunder.

D. Election Commission, India

The post of Stenographers in the Election Commission carry a scale of pay of Rs. 210-10-270-15-300-E.B.-15-450-E.B.-20-530 like the post of Stenographers in the Central Secretariat Stenographers' Service. These posts are, however not included in the Central Secretariat Stenographers' Service Scheme and the persons appointed to these posts will have no claim to be appointed in posts included in the cadre of the Central Secretariat Service.

E. Department of Tourism

The posts of Senior Stenographers in the Department of Tourism are sanctioned in the revised scale of Rs. 210-10-290-15-320-E.B.-15-425 and belong to General Central Service Class II (Non-Gazetted).—Ministerial, Senior Stenographers with at least five years service are eligible for promotion in the post of personal Assistant in the pay scale of Rs. 320-15-470-E.B.-15-530. Candidates appointed on the results of this examination will ordinarily be required to serve in the Headquarters establishment of the Department but may be required to serve any where in India.

F. Armed Forces Headquarters Stenographers' Service

The AFHQ Stenographers' Service has, at present, two grades as follows :—

Stenographers Grade I (Class II—Gazetted)—Rs. 350-25-650.

Stenographers Grade II (Class II—non-Gazetted)—Rs. 210-10-270-15-300-E.B.-15-450-E.B.-20-530.

The posts in Grade I are filled by promotion from among Grade II Stenographers. Direct recruitment is made in Grade II only.

2. Persons recruited direct as temporary Stenographers Grade II will be on probation for a period of 2 years. Unsatisfactory record of service during this period may result in discharge of the probationer from service. During probation, a member of the Service may be required to undergo such training and to pass such tests as the Government may, from time to time, prescribe.

3. Stenographers Grade II recruited to AFHQ will be generally posted to any office of the Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisations located in Delhi/New Delhi. They will also be liable to be posted to such other Stations outside Delhi/New Delhi, where offices of Armed Forces Headquarters/Inter-Service Organisations may be located.

4. Stenographers Grade II will be eligible for promotion to the post of Stenographer Grade I in accordance with the rules in force from time to time.

5. Leave, Medical aid and other conditions of service are the same as applicable to other ministerial staff employed in Armed Forces Headquarters and Inter-Service Organisations.

G. Department of Parliamentary Affairs

The scale of pay for the posts of Stenographer in the Department is Rs. 210-10-270-15-300-E.B.-15-450-E.B.-20-530.

Candidates appointed to the Service by selection through the competitive examination shall be on probation for a period of two years.

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

(Department of Agriculture)
(I.C.A.R.)

New Delhi, the 12th November 1968

No. 27(1)/67-CDN(I).—Under the provisions of Rule 75 read with Rules 77 and 10 of the Rules of the Indian Council of Agricultural Research, the following persons who ceased to be members of the Standing Committee for Animal Sciences Research of the Council, as constituted under this Ministry's Notification No. 27(1)/66-CDN(I), dated the 8th August, 1966, with effect from the 5th August, 1968 under Rule 77 read with Rule 11(b) of these Rules, have been re-nominated by the Minister of Food and Agriculture as members of that Standing Committee for the unexpired portion of their term of membership of the Committee, viz., from the 5th August, 1968 to the 30th July, 1969, or till such time as their successors are nominated on that Committee, whichever period expires earlier :—

1. Dr. K. Kanungo, Chief Agriculture, Planning Commission, New Delhi.
2. Dr. D. Sundaresan, Dean, Post Graduate Studies, Punjab Agricultural University, Hissar.

P. S. HARIHARAN, Dy. Secy.

MINISTRY OF EDUCATION

AMENDMENT TO RESOLUTION

New Delhi, the 6th November 1968

No. F.1-18/68.YS2.—The following amendment is hereby made to the Resolution on the subject of establishment of the All India Council of Sports, contained in the Ministry of

Education Notification No. 11-16/58, PE2, dated 2nd March, 1959 as amended from time to time :—

"In Clauses 7 and 10 of the said Resolution please substitute 'Two Member-Secretaries' for 'Member-Secretary'."

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be published in the Gazette of India and communicated to all concerned.

A. B. CHANDIRAMANI, Jt. Educational Adviser

Cultural Activities Division I [CAI(I) Section]

New Delhi, the 8th November 1968

No. F. 11/1/67-CAI(I).—In continuation of this Ministry notification No. F.11/1/67-CAI(I), dated 16th October, 1968; Dr. Satya Prakash, Director, Archaeology and Museums, Rajasthan, Jaipur, nominated by the Government of Rajasthan is appointed member of the Central Advisory Board of Archaeology as representative of that Government.

P. GANGULEE, Dy. Secy.